



## Cadaver Organ Donor Navnitbhai Chaudhari



### Organs harvested from Surat man save four lives

EXPRESS NEWS SERVICE  
AHMEDABAD, JUNE 2

NAVNEET CHAUDHARY was declared brain dead on June 1 after a motorcycle accident but organs harvested from his body saved the lives of four people on Friday.

While Navneet's heart was successfully transplanted to a 24-year-old Surat man by the doctors at Ahmedabad's CIMS Hospital — the second heart transplant operation in the state — his kidneys and liver saved three others' lives.

According to Niles Mandewala, founder and president of Donate Life that facilitates the process of organ donation, Navneet (30) was critically injured after a motorcycle accident in Surat on May 29 and declared

brain dead by the doctors of Surat Civil Hospital Thursday night. "Navneet's father allowed the doctors to harvest organs," said Niles. "The organs reached Ahmedabad in a chartered plane at 3.30 am."

According to Dr Dhaval Naik, cardiac surgeon, CIMS Hospital, "Only 15 per cent of the recipient's heart was functioning. The transplant took place at 4.53 am. The patient is stable," said Dr Dhaval Naik, cardiac surgeon, CIMS Hospital. The first heart transplant in the state was on December 19, 2016, also at CIMS.

While, 14-year-old boy from Ahmedabad and 31-year-old man from Surat received a kidney each. A 48-year-old Morbi resident received liver. These transplants took place at Institute of Kidney Disease and Research Centre.

## CIMS performs 2nd heart transplant

**Ahmedabad:** CIMS Hospital on Friday performed yet another successful heart transplant of the state. The heart was shifted early in the morning from Surat to Ahmedabad. The young recipient of the heart was already at CIMS in a critical state in an ICU for last 25 days with severe heart failure and just about 15% heart function. The patient is presently recovering in ICU. CIMS is the first hospital to have successfully completed a heart transplant in Gujarat.

सुरत से सिर्फ 80 मिनट में अहमदाबाद पहुंचा दिल

ब्रेन डेड युवक का दिल धड़का दूसरे युवक में

आदिवासी समाज  
से अंगदान का  
पहला मामला, चार  
को मिली नई  
जिंदगी

गोपनीय अमृत बेलकड़ी  
प्राचीन वार्षिक

मूल वार्षिकों साथ ही अनेक वर्षों के बाल नामक वार्षिक वार्षा है। जैसे ऐसे वार्षिकों यहाँ के दृष्टि किसी भी लोक के मन में वर्ष वर्षित करने की विशेष नियती है। हर्दि यो साल वर्षित वार्षिक वार्षिक वर्ष वर्षित है। यहाँ में वर्षावर्षावाद जैसा वार्षा मूल के वर्षके वर्षावर्षावाद किया



• 191

बेंट जल्द के द्वारा नीतों  
विलेखन ने बताया कि सूक्ष्म  
विसे को ग्रामीण तात्पर्य के  
लिए वय विवाह नियोग व विवाह  
दीपां (30) हठ अधिक था।  
20 पहँ को याम वह बेंट  
सम्प्रदाय से विचार वय से भाव

लैंड या या पोट साइकिल  
फ्रिस्टने वे जर्मन रिट के हितों  
में पोट चैट या बेतोन की  
तस्वीर दो पार के ग्राफिक्स  
अपाराइन ने नई काला पार  
जहाँ से यह ने रुदा के निचो  
अपाराइन रिट किए रखा था  
सैट रेस में पार बला कि जर्मन

दिल्ली में लगू रही नवाबत की है और अप्रसरण लकड़ी है। इसके बाद उसे वृत्तिवाला असलीत में भर्ती बनाया गया। यह लकड़ी विकास के जालों में ही दिल्ली वर्षों और दसों तक एक व्यापक कर दी गई। यह को सूखे तरने की प्रक्रिया से, युक्ति कर्तियाँ दूर कर द्वारा की गयी तरीकों विभिन्न के विकास द्वारा नवाचाल कालिदास ने शारीरिक दृष्टि का दिया। लैंडर लैट की तरीके ने कमी की राशियों को अवाहन के लिए प्रोत्तो किया। परिवर्तन की गयी है जिसके बाद वातावरण में अद्वितीय अनेक किसानी विकास एवं रोजावंसा की दीपि किसी ने नहीं लीकर उभे संबंधों में विवरणित की गयी।

ब्रह्म का बड़ा स्वीकारने के लियल असारल जूरी गल परेंज 11 ब्रह्मवर 36 मिनट पर आगोह को अंधिका चित्रण में से जाए गए और 2 ब्रह्मवर 33 मिनट पर उसका दृश्य लेखन द्वारा विश्वासयन भावना पूरा सुना गया। इसे संक्षेप से विवेच चाहूँ लेख के जरूर चित्र 30 चित्रण में हल्का विश्वासयन से चाहत सुन के कल्पना विश्वासयन क्रियादिप्रमाण द्वारा लिखा गया। एक किंवद्दन विश्वासयन नियारो रिटार्क भाव (14) द्वारा इस विश्वासयन परेंज (31) तथा निकै नियारो विश्वासयन विश्वासयन परेंज (46) में दिया गया। मूल से इस तरफ 11 दृश्य का दृश्य यह बना है।

"जयानीमो रत्नदान दिग्गानके गृत्युवाद(ब्रैंडलेड) फ़िडनी, लिवर और हृदयदान . . ."

11 हार्ट डोनेट कर युके सूरत में एयर एंबुलेंस  
नहीं होने के चलते 2 घंटे अटका रहा ट्रांसप्लांट

**आर्गन डोनेशन के हस्त में बड़ी खाद्य**

- पांच महीने में तीन एयर एंबुलेंस उतरी, सूरत में सुविधा नहीं, किरण हॉस्पिटल में एक साल बाद होगी

સુર્ય | અનુ

नसा के एक अदिवासी युवा का दिल उत्तमते  
मूल्य के छट पर भी झड़कता रहा। अहमदाबाद के  
जौमस ट्रॉफिल में शुभ्रवार औ न्यूनोत्तम जौमसी  
का हृदय ट्रॉफिल कर सका ले ही 23 नरपिण्डि  
कलंड जबसमूह कक्षरोड़ीया के दरीर में लगाय  
गया। इसके द्वारा न्यूनोत्तम वार छद्य देर रत एवं  
एकलीसा रो अहमदाबाद ले जाया गया। एकलीसे  
आड़ एवं एकलीसे नें तनोत्तम का हृदय युवा ले  
277 चित्तमंडर द्वारा अहमदाबाद रहनश्यामा। जबकि  
दो धनका नायक और उनकी दोनों ने यह आर्किशन  
जिया। युजवास में वह दूल्हा हट्टे ट्रॉफिल सांचा है।  
जल्दीसि सूत में एवं एकलीसन न लग और मुक्के  
से हड्डे गांगाने में हड्डे देशों से हट्टे ट्रॉफिल की प्रक्रिया  
कर्मी बड़ेबड़े भी रही।

कानपा उड़ानहूं भरा है।  
**बाहुल्य से पिण्डकर जग्जुही** हुए क्षे नवनीतः सूर्त के  
मन्त्रोत्त तहतौल के लवेट गवाके लगे वाले बाचुभाई  
जैरी के ऐसे नवनीतों को बीजे सोनारों को आइक  
हे गिर जाने के कारण मिर में गहरी चोट लगी थी।  
30 वर्षीय नवनीत को सूर्त के निजो अस्पतल में  
भर्ती कराया गया जहाँ डॉक्टरों ने कराया कि उनके  
दिमार में इतन का धक्का नम गया है। बाद में नवनीत  
को सिर्फ़ अस्पतल में भर्ती कराया डलाइक  
इससे पहले न्यूरोफ्रैंजन डॉ. मेहून मिरो और  
न्यूरोफ्रैंजन डॉ. लेस जंजेम ने नवनीत और  
जेन डेड घोषित कर दिया था। इसको जागरूक  
मिलते ही डोनेट शाहफ की टीम ने ऊर्जन डोनेशन  
के बारे में बताया तो नवनीत के पिता तैयार हो  
गए। उसके बाद सोशा के नीलेश पाठलंगवाला  
ने अधमाला दे ले आईनीट अस्पता और योग्य  
हॉस्पिटल को यह जागरी दी।



**रात 1.30 बजे एकार एंबुलेंस** **रात: मध्य तक** **इसलिए**  
पहांची तब भैंजा सके लड्डा **460 उंगडान**

दूर से नक्कीत के द्वारा को अहमतवाद  
ते जली की जाती है औ उन्हें भी कठिन होते  
हुए ते केवल दस्तवा तुषियाँ ए  
राजन रहे कर ऐसा दिलाकर इस  
सघी ते कासा के मुख्यतर रहा।  
को जले पाट अब बापाधा ले डॉक्टर  
ये छोड़ आय तिरुने दूर ते दूर  
द्वारालक्ष के वरे भै जाय। रघुने वे  
प्राकाश दूर दूरर्थी पर उत्तमा १०  
सीटे वाले दिमान हे दूरतम के बात  
को लैकिन दूरांदूरी अर्थीती होता  
दूर के फैलाविधित तुषियाँ दे  
लंग जड़ी दूर। दूरिया ते ते तो तो तो तो तो  
दिसी अका अंत ले ते ज राजा है  
अ-१०-१० जने संघी दे शुरूई से संघी  
कर दूर दूरुत दो अप्रसार वर्ह राजा  
मे ही एकादश दो दूरावाय। तब दूर  
१०० बजे दूरुत दूर दूर दूरी औ दूर  
उत्तमतावद ते जाय तय।

राजतः भूवतकं  
प्रभु शास्त्र

196

174

74

11

05

प्राचीन भारत

卷之三

इसलिए जरूरी है एसर एंबलेस

जार पंखुड़े के लिए आगे पर दीलीजिटर द्वा  
रा इसे प्राप्त होता है। जैसे कि यह कम उच्चाई पा  
इते हैं और इसके लिए सुनेन्हीं होती हैं। वायेल्टर  
जैसे दौड़ तिसें दर्शक दो लिफ्टों के उच्चास पर  
सुनेन्हीं हैं जहाँ लेलिल दौड़, दूसरे ओर जो त्रिलिफ्ट  
जैसा प्रयोग होता है। ऐसुनें जो बदल वाले हों वे भी  
उन्हें प्राप्त करने के लिए लंबी तारीख उपलब्ध हैं, ताकि  
उसका प्रयोग दूर जानकारी के दौर में लोकों द्वा अपे  
के लिए उपलब्ध हो सके।

रुप ग्रीष्मा रिपोर्ट के अनुसार उमेरीज में 10.00  
होमेजाइट हैं भैडिल अप्रैल से के बिना, वही दाना  
हैं 20 और उन्हीं में अच्छी संख्या 70 है। याकि हैं भी 7  
दे 10 होमेजाइट चैम्पियन की गयी हैं के लिए हैं

भविष्य में न हो दिवारत, करेंगे इंतजाम

**जहां के सारे जन्मानीयों के साथ यात्रा कर देसी जलसदा की ज़रूरि के सूक्ष्म प्रणालीएट पर हमेशा उत्तरव्य रखते दिल देख दो हो मैरिल हन्ड्रेटी में इन्होंनाम बढ़ाव ज़रूरीया।** - एम्प सोसायटी विकास

"जयानीगे रत्नदान दिग्गंबर के मृत्युबाद (ब्रैंडनडेड) फ़िडनी, लिवर और हृदयदान ..."

## ब्रेनडेड नवनीत चौधरी का हुआ अंगदान



लोकसंग संवाददङा

सूत्र। अंगमार 29 मीटर लंबी नदीनदिपक्षीय ताजा वर्द 2,300 फूले के नदी वर्षा द्वारा बोल्डो से नदी अपने उत्तराधिकारी और उसकी विभिन्न उपनदियों के गहरे वाहान वर्दों की बासिने से बेंगलुरु पर्यावरण की विवरणों में वर्णन किया गया है। इसके बाद वर्दों द्वारा उपनदी के विभिन्न वर्दों की विवरण दिए गए हैं। इनमें से 105 वर्दों के विवरण दिए गए हैं। इनमें से अधिकांश वर्दों की विवरण दिए गए हैं। इनमें से अधिकांश वर्दों की विवरण दिए गए हैं।

दूसरा गुरुवार के दूसरे बाजिलियानी ने कलंग लेनदेन घोषित किया। दीनद लालके के द्वारा न उत्तर प्रदेशीयों से यहां तक जिम्मेदार के रूप में घोषित किया। दीनद की जनकाल में उत्तरप्रदेशीयों तक छुट्टी, फिरना व खेलना का दान निभाया।

सुन गई सिद्धिन व्यवहार में असमानता असम असमानता तक 222 लिखे थे। इन 80 लिखे में उल्लेख यानि वे लिखे जो इन्होंने दूसरे किसी व्यवहार के लियाकारी बदलाव प्रयत्नपूर्ण लिखे हुए। (उम्-23) में लिखा गया एवं वे लिखे जो किसी असमानता के नियमों विवरण देते हुए। (उम्-14) के लिखे किसी भूल के नियमों द्वारा लिखा गया एवं वे लिखे जो नियमों द्वारा लागता। (उम्-31) में चलानीश्वर लिखा गया। शेष शब्दों के लियाकारी व्यवहार देखायाह चाहिए। (उम्-24) में कल्पनाओं का देखा-

અનુભૂતિ પિશેખ

સુષ્ટમાંથી 11મા હૃદયનું તણ : માંગરોળના બેનેડ્સ નયનીત રોધયેના કિડની, લિપર, હૃદયના ઘનથી 4ને નફજીવન

# આદિવાસીનું હૃદય સૌરાષ્ટ્રવાસીમાં ધબક્કું

కుమార్తలు 829



કારી, મધ્યાયે, દોહીનો બાંસો અપોની  
જાચો સોચાનું નિંદાન વાગું સંતુષ્ટ  
કેનિશોટેઓએ ડીને બોલીના છાંડી  
માણનું કલ્પા પાર્ટ્યુ રાખીને નામે  
નવી રિચિલ હોલેન્ડબા કાર્ફરી  
વિષાળના રેન્ડ્રોપી કોનિસિદ  
દર્માની સાથેનું હેઠળ દ્યાખ રાખીને  
કરી, જોક, ગત ચુકુવાને ન્યરોસિન  
ને, મેન્ડુ, મેડી, ન્યરો ડીલીલાય  
ન, વિન્ડે લાંસેરને નનનીતાંદું  
કેનેડે જીડે રથી કાંઈ દોને  
લાર્નિના દીગે નનનીતાંદું  
પરિચારકોને ઓરન રેનેશનન  
પાલન સાંજાત, જંગાન નાદ  
સંમિશ્રાયો છાંડી.

સુરતના ઈકરાનું હૃદય સુરતના યુવાનમાં



• वीरांगनवी मुजलेलोट्टा वाडीये एकमुख्यमाने अभियानाना लिप्स थोंसिंप्टन बूथाने 277 दिनानुसार तात्र तीन अंदांतरां वाचाने घासामा नेवडवामां आवाण कठवण्यु शृंगाराने सुलतना रुद्रागांडा इच्छा जनसुध शांतिकांडा (23)आं वी, बहु नायक अने तेमनी ठीक तरीके दिलेले हो, सुरक्षाभाषी नवीकारा भांजेगावा अने देवें लाई तरीका दिलेले नवीकारा भांजावा.

કિરુની પવાનમાં પ્રત્યારોપણ, 4ને નગરજીવન

अंकुरिती अवस्थावाला जिल्हा यात्रा (१), भेज किए गए सुन्दर-पुनीत श्रावण (३) मां शृंगाराम श्रावण होती आदि शोभा भवतीला शास्त्रार्थी देखाने गायत्री (४) मां शृंगाराम श्रावण जयती याती.

"जयानीमें रत्नदान दिग्गंबरके मृत्युग्राह(ब्रैंडनडेड) फ़िडनी, लिवर और हृदयदान . . ."

# Press Report Of Various Newspaper on Organ Donation Activities

મુરત જીવિલમાંથી અંગદાનનો પ્રથમ કિસ્સો  
માંગરોળના બેઈનડેડ રતકલાકારનું  
છાર્ટ મુરતના પુવાનમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ



» આદિવાસી સમાજે  
દ્વારા લોજનું તિથી હાઈ,  
ખેડર અને કિડની  
ધાનથી ચાર રૂપાને  
નવચુબન મળ્યું  
» સુરતથી ૮૦ મિનિટમાં  
હવાઈ ભાગે ૨૦૩  
ડિમીનું અંતર કાપી  
અમદાગાંદમાં હાઈ  
દ્વારા પણ નાટ કરાયું

સુરત નવી લિખિત વૈચિહનિકમાં  
અંગેદારો પદમાં રિસ્ટો પણ હો છે.  
વૈચિહનિક જાહેર પાયાંથી જુદીમાં  
પણ વૈચિહનિક ઘણા માનવિકીય  
જીવિકીય અનુભૂતિકારી હો, જીવ  
અનુ રિસ્ટો ગાળી હોડ અનુભૂતિ  
અનુભૂતિનું માણુષ જોણું હુદાતીં કરી  
નિશ્ચિન્હિત હોય.

मात्रात्मक लाभान्वयन के दृष्टि अनुसार सेवा नहीं बदलता बल्कि लाभान्वयन जीव परीक्षित रूप से लाभान्वयन करता है जोकि इसी परीक्षित लाभान्वयन के लिए उत्तम अनुभव अवश्यक है। अतः यह लाभान्वयन के दृष्टि अनुसार जीव के लाभान्वयन का लाभ लाभान्वयन का लाभ अनुभव आवश्यक है। अतः यह लाभान्वयन के दृष्टि अनुसार जीव के लाभान्वयन का लाभ लाभान्वयन का लाभ अनुभव आवश्यक है।

ପକ୍ଷୀ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ମାତ୍ରମେଲାଭେ  
କହାଯୁଦ୍ଧ ଏହା କି, କାହିଁ କୁଟିଲା କାହିଁ  
କୁଟିଲା କାହିଁଲେ ତୁ କାହିଁଲେ କାହିଁ  
ଅନ୍ତର୍ଭାବରେ କାହିଁଲେ କାହିଁଲେ କାହିଁଲେ

तंत्रात् वृषभान् कहु ठु दे, तुरत  
दिविभागी सोनं देवेन पाणी रखे  
मे भारे गरे योक्ति अविहान जिवा-  
रामां पाप वस्त्रालय अन्यां थे, तेसके  
प्रियवासी अने उम्मेदना तलाशी  
अविष्टोने पाप शानी बोल्हाउड देखामं  
गोने द लाईको लाँचक उत्तमा सुधारा  
आपी छो, बोने परते ते, न भड्क्का  
बाटेना शक्यावती प्रथम बाहा म  
प्रियजनामी अंगठाल चाहुँ राहय  
जन्मु दे, मात्रमा राहुहामा प्रथम  
हट्टै दानाशाहन अपै ठु, उत्तमा १८  
महेनामा सुतमारी ८८ शान्ताव  
जने दुनाशाहन दहानो ज, १५३०  
देस ले, होना २८ वाहू चुम्हार, एक  
योली रामो लेन लाहू अमावास, खाने  
मंडावारु.

આદિવાસી સમાજના યુવાનના હૃદય, અંગદાનથી અન્યોને નવજીવન

# ૩૦ વર્ષીય બ્રેઇન્ડેડ યુવાનનું હૃદય ૨૩ વર્ષીય યુવાનમાં ધખકૃતું કરાયું

(પ્રાણિનિપિદ્વાર)

સુરત, શુક્રવાર

સુરત જિલ્લાના આદિવાસી સમાજના બ્રેઇન્ડેડ યુવાનના અંગદાનથી ચાર વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. યુવાનના લદધયને સુરત નવી સિવિલ હોસ્પિટલમાંથી ૮૦ મિનીટમાં અમદાવાદની લોસિટલમાં ટ્રાન્સફર કરીને સુરતના જી યુવાનને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. સુરતમાંથી હૃદયદાનની આ ૧૧મી ઘટનાએ.

સુરત જિલ્લાના માંગરોળ તાલુકાના લવેટ ગામે રહેતા ૩૦ વર્ષીય નવનીત બાળુમાઈ હોંધી તા. રેલ મેના ચોજ વાંકલથી લવેટ જતા હતા ત્યારે માંજના તુમારે વાંકલ રેલવે કાટક પાસે બાઈક સ્લીપ બતા માયામાં નંભીર ઈજાથી લોહીનો ગઢો મનજમાં જામી ગયો હતો. ખાનગી લોસિટલ બાદ પરિવારના કહેવાથી તેમને સુરત નવી સિવિલ હોસ્પિટલમાં ખસેડી સારવાર શરૂ કરાઈ હતી. જ્યાં તા.૧ જૂન તેમને બ્રેઇન્ડેડ જાહેર કરાયા હતા. જોથી ડાનેટ લાઈફ સંસ્થા હાત તેમના પરિવારને ઓર્ગન ડોનેશન મંગે સમજ અપાના નવનીતા પિતા, બહેન રીતો, કોઈ વિનિનાબેન પની દ્વારાન સમેત થયા હતા. તેમને બે બાળકો

નોટન (૧૪) અને આયુશી (૧૧) છે.

આદિવાસી સમાજમાંથી ઓર્ગન ડોનેશનને આ પ્રયત્ન કિસ્સો છે. તેમજ નવી

કલેશ ઉદ્ધૂભાઈ કાળાઠા

(૦.૨.૨૩) ને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. એક કિંદી તિલક શાહ (૧૪) અમદાવાદ, બોજ



સિવિલમાં દાખલ દ્વારા ઓર્ગન ડોનેશન કરાયાનો પણ આ પ્રયત્ન જનાવ છે. નવીનિતનું હૃદય મધ્યરાત્રે ૨:૩૦ કલાકે શ્રીન ઓરીઝેર રોને સુરત એરપોર્ટ લઈ હવાયા બાદ ૨૦ મિનીટમાં અમદાવાદ પહોંચાડી ત્યાં સીઆઈએમબેસ લોસિટલમાં દાખલ સુરતના

પુનીત જાલાન (૩૧) સુરતને અને લીલર વાલાભાઈ હેવાભાઈ રાહોં (૪૮)ને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાઈ છે. ૧૮ મહિનામાં સુરતમાંથી હૃદય ટ્રાન્સફર કરવાની આ ૧૧મી ઘટના છે, અગાઉ દ્વાદ્યમુંબઈ, ૧ ચેનાઈ ટ્રાન્સફર-ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.

## સુરતમાંથી હૃદય ટ્રાન્સફર-ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવાની ૧૧ મી ઘટના: નવી સિવિલમાં દાખલ નવનીતનું હૃદય સુરતના જી યુવાને મળ્યું

આદિવાસી સમાજમાંથી પ્રથમ અંગદાન કરાયું,  
સુરતના ૪ વ્યક્તિમાં હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

માંગરોળના લેટર ગામે  
રહેતા નવનીટ શેદર્વીની  
કિડની, લિંગર, દયાનું  
દાન કરાયું હતું : હૃદય  
અને એક કેડની સુરતના  
રહિશોન ક્ષાળે આવ્ય

मरत : नृसंग विलापन व अवलोक्य  
देखे जाए तथा नृप्रेषण उत्तमताप्राप्त  
अनिवार्यी भूषणनी दृढ़ व बड़ा  
देखे इह याहे स्त्रीय शम व विव  
निवार देखना असले लेण्ठेनेह यासें  
इत्या विवेक व वार तेजोलाल कथ्य  
हिन्दू अनें विवरण्तु ग्रन उत्तरायां  
आयुष्य लंगु च पेशे इत्यु अने जो  
हिन्दू भूषण छाँटा वर्णितामा  
आयुष्य के अभ्युवाहनी लेखियतामा  
सातवाह यहे रस्ता भूतना उत्तमपू  
र्वतायां अत्र उत्तमायां उत्तमाया  
आयुष्य लंगु अनें दातन रह याप गुण  
ए गवेंट व्याप्ति आयी अंति श्री  
सुन विलापन नांगरींत तात्कुना  
लाट जाने देखा दृष्ट्यात् उत्त



ବୀର୍ମ, ନ୍ୟାତ ପରିଶୁଦ୍ଧ ଯୌନି ଗଜ  
ଦର୍ଶନ କରିଲେ ଏହି ପରିଷକ୍ଷ ପୋତାଙ୍କ  
ଲକ୍ଷ୍ମେଣ ଏହି ପାଇଁ ଏହି ଅର୍ଥ ଆମ ହୁଏ  
ନାହିଁ ଏ ପରିଷ କେବଳ କଷକ ପାଇଁ ତମେତି  
ଆମେ ଖୁବି ପାଇଁ ଜଳା କରିବେ ଏହିର  
ନିଜ ପାଇଁ କିମ୍ବା ନାହିଁ ତେବେବା ଧର୍ତ୍ତ  
କରୁଣ ହୁଏ

अक्षेत्रस्ताना पृथ्वी देशा विद्युता  
शुद्धिमालासुना गोप्तव्योमें नवनीतव्यार्थाने  
उत्तमात् तेजस्व विद्युतव्यां साक्षात्  
माहे नहीं अस्ति या व्या कला ज्ञाना देख  
पृथ्वी विद्युतेन उत्तमं गंतव्यं छेष्टव्यो  
तेजित नात्पर्यित अस्ति इति ज्यानी  
स्वरूपी एव विद्युतं विद्युतं विद्युतं

દ્વારા ના પણ સાથી હેઠિલાં  
અને અને જ વા રહ્યા રહ્યા હોયાં  
અને એ શીટકે રચયા મજાના  
બેનીનું ગુણ જરૂર રખો કોણના બાદળ  
નાનું કરો તરીકેનો કેનોદોધી  
દીની ઘણી હોકું કરાયા આપ્યો  
નાના. પણ કાંઈ સાચા રહનીએ  
અને અને અને અને અને અને અને

આદ્યાસી ધૂપાલના હંગદાલની મુર્ચના બે અંગે આમદારાદ  
અને મોરણી શહિત યાર વ્યક્તિને વચ્ચે પણ માઝું

આદેતાનું સુધ્યાન બતલાતી હેઠાંના અંગ્રેજીન  
નાંથી સુણતાના એ કાને શામદાહ, મોર્નિંગ એ  
નાંથી કરું ચાર વડ ડિટોઓને નયાયપાલ મન્દું હતું,  
નાનીંતે ચૈલેટોનું છુટું અમદાવાદની ખાનગી  
હોસ્પિટ સારાનાર જા રહેલા કારોં ઘયસ્યાન  
કર્યોડિના (વિ. ર. ૪૩)ને, જારી રોજ કિરણની  
અમદાવાદના પઢની એ પરિષ કિશોર તિલક  
શાહને જારી રોજ કિરણની સુણતાના બતાની પુનઃનીત  
થાણ (૩.૩. ૩૧)ને શુલ્પાણ કર્યાના આતી  
હો, જારી રોજ મોર્નિંગ ચાલાદ રેખાદ  
રાંડ (વિ. ર. ૪૫)નાં શ્રુતાંત્ર એ રહ્યાં હાજરું  
એ.

મુખ્યમાં ૨૮૦ કિલોમીટરનું ગંતવ્ય કાપી ૧૦ મીનિટમાં  
હૃદય રામટાંકાણા દર્ઢીમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

સુરત રિસાર્ટ નાંગદેવાળા થા ડિવાધી દુબાનું  
કૃદ લોલાલ ચાર્ટડ પ્રેમાનમાં રૂફ ડિવોનીટરનું  
અંતર 20 મીલીમીટર કાંઈ આમણ રાદની ખાજળી  
હોયિપટલન કર્દાની શુભ્યકર થાલે ટ્રૂલાન્ડાન્ડ  
કલ્પાનાં રાષ્ટ્રીય હાદુ. શાહી વિલસેપાનીં એમે  
સુરતની નવી ડિવિલ હે સૈટલમાંથી પ્રથમ વાંચ  
ઝેગાં માણં હાં.

# સુરતમાંથી ૧૧મું સકળ હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

૨૭૭ કી.મી.નું

અંતર ૮૦

મિનીટમાં કપાચું

સુરત તા. રૂ. અંગદાન બાબતે સુરત શહેરવાસીઓમાં ખાસી જાગૃતિ જોવા મળી રહી છે. આજે આદિવાસી વિસ્તારમાં રહેતાં એક પરિવારે તેમનો પુત્ર અક્ષમાતે બેઈનડે થતાં તેનાં અંગોનું દાન કરીને અનેકનાં જીવનમાં પ્રકાશ ફેલાવ્યો છે. બેઈનડે નવનીત ચૌધરી (૩.૩૦)નું હૃદય અમદાવાદનાં એક દર્દીમાં સકળ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું છે. આ સાથે સુરતમાંથી ૧૧મું સકળ હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ થયું છે. નવનીતભાઈનાં અંગોના દાનથી ચાર વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે.

સુરત સિવિલ હોસ્પિટલથી અમદાવાદ હોસ્પિટલ સુધી



હૃદયને સુરક્ષિત લઈ જતા તથીબો.

૨૭૭ કીમીનું અંતર માત્ર ૮૦ મિનીટમાં કાપવામાં આવ્યું હતું. નવનીતભાઈનું હૃદય સુરતનાં રહેવાસી કલ્પેશ જ્યસુખલાઈ કાત્રોડિયા (૩.૨૩)માં ડૉ. ઘવલ નાયક અને તેની ટીમ દ્વારા સકળ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું છે. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બન્ને કિડનીઓ અનુકૂળે અમદાવાદનાં રહેવાસી તિલક

શાહ (૩.૧૪) અને બીજી કિડની સુરતનાં રહેવાસી પુનિત જ્વાન (૩.૩૧)માં સકળ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાઈ છે. જ્યારે લીવર મોરબીનાં રહેવાસી વાલાલાઈ દેવાલાઈ રાઠોઝાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું છે. સુરતથી અમદાવાદ હાર્ટ હવાઈ માર્ગ લઈ જવા માટે સ્પેશિયલ મંજૂરી આપવામાં આવી હતી.

# સુરતમાં ૧૧મું સફળ હૃદય ટ્રાન્સપલાન્ડ થયું

૨૦૦ કિ.મી.નું અંતર ૮૦ મિનિટમાં કાપી આદિવાસી યુવાનનું હૃદય એર્માં સફળ ટ્રાન્સપલાન્ડ કરાયું

સુરત, તા. રૂ : અંગરાન ભાગેં  
સુરત શહેરવાસીઓનાં ગારસો  
જાગૃતી જોવા માટે રહી છે.  
આજરોજ અટાઠિવાસી વિસ્તારમાં  
રહેતા એક પરિવારે તેમનો મુત્ર  
અકરમાતે બેઠીનેડ થતાં તેનાં  
અંગ્રેજુ ઢાન કરીને અનેકનાં  
જીવનમાં પ્રકાશ ફેલાવ્યો છે.  
ખેડીનેડ નવનીતા  
ચૌઘરા (૩.૩૦) નું ટ્રદ્ય  
અમદાવાદના એક ઈડીમાં સફળ  
ટ્રાન્સપલાન્ડ કરાયું છે. આ ચાંપે  
સુરતમાંથી ૧૧મું સફળ હૃદય  
ટ્રાન્સપલાન્ડ થયું છે.  
નવનીતભાઈનાં નાંગોનાં દાનથી  
ચાર વ્યક્તિને નવશુદ્ધ માયું છે.

ગત રાત્રી મેના રોજ નવનીત  
ચૌઘરી વાડકલથી લાંબે પોતાના  
પરે ટૂ-ન્ટીલર પર પરત ફરી  
રહ્યો હતો ત્યાએ વાડકલ રેલવે  
ફાટકની પાસે તેની આંદીક સ્થીપ  
થત્યો તેને માથાના ભાગે ચંભોર  
દીજાઓ પદ્ધોચી લઈતી. નવનીતને  
નજીડની કોલિસ્ટિકલબમાં દર્શાવ  
કરાયા ગાડ. સુરતની પીપી શવાદો  
લાટી દીનિંટ્યુટ્માં દ્યાખલ કરાયો.  
હતે જથ્યોતેનું ચીટી કેન કર્યાતો  
તેના ગાંધારાં લોડીનો નાણો આગો  
ગયાનું નિષ્ઠાત આવ્યું હતું,  
કોકટેઝોના ટોમે ગર્લ્ડાલે. નવનીતા



ચૌઘરીને બેઠીનેડ જેડેર કર્યો  
હના.

જેઠીનેડ વિશેની  
માહિતી ડોનટ લાઈક સંસ્થાને  
મળતાં કુમુજ નિવશેભાઈ  
નાંડલેવાણા અને તેની ટીમ ટ્રાન્સપલાન્ડ  
પરિવારજનો સાથે અંગરાન.  
અંગેની ચાતચીત કરી હતી.  
નવનીતભાઈના પિતા જાખૂભાઈ  
અને પરિવારના તમામ લોકોએ  
અંગરાનની ખંજૂરી આપતાં  
નવનીતભાઈનું હાઈ રાહિતનાં  
અંગ્રેજું ઢાન કરાયું હતું.

સુરત જિલ્લા લોસ્ટ્યુટ્ટલથી  
અમદાવાદ લોસ્ટ્યુટ્ટલ સુધી ૨૩૭  
કિ.મી.નું અંતર માત્ર ૮૦  
મિનિટમાં કાપત્રમાં આવ્યું હતું.

નવનીતભાઈનું હૃદય સુરતના  
રહેવારી કલ્યાણ જયન્દુગામાઈ  
ક્લાનોડિયા (૩.૨૩)માં ડો. પલવ  
નાયક અને તેની ટીમ ટ્રાન્સપલાન્ડ  
ટ્રાન્સપલાન્ડ કરાયું છે. ઢાનમાં  
મેળવવામાં આવેલી અને  
કિડનીઓ અનુક્રમે અમદાવાદના  
રહેવારી ટિલક શાહ્ (૩.૫૪)મને  
શીખ કિડની સુરતના રહેવારી  
પુનિત આલાન (૩.૩૧)માં સફળ  
ટ્રાન્સપલાન્ડ કરાઈ કે, જ્યારે  
લિવર ગોરનીના રહેવારી  
વાલાભાઈ દેવાલી (૩.૩૦.૮૮)  
ટ્રાન્સપલાન્ડ કરાયું છે. સુરતથી  
અમદાવાદ હાઈ હવાઈ મર્ગે વર્ષ  
જ્યા આઠ સેવાયલ મંજૂરી  
આપવામાં આવી હતી.

## આદિવાસી સમાજમાંથી અંગદાનની સૌ પ્રથમ ઘટના ચોધરી પરિવારે બ્રેઇન ટેક યુવાનનું અંગદાન કરી ચાર વ્યક્તિને નવું જીવન આપ્યા સુરતમાંથી ૧૧માં હદ્દ્યનું દાન : ૨૭૭ ક્રિ.મૌનુ અંતર ૮૦ મીનીટમાં કાપોણ અમદાવાદની CIMS હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સફર અને ટ્રાન્સપલાન્ટ કરાયું

સુરત તા. ૨  
કેનેટ વાર્ડક સંસ્કૃતા દારો સુરત અને દવિજા યુજરાતમાં નાબળી અંગદાન ચણતાજા અંતરની શી અથવ પંચત આદિવાસી સમાજના ભેનડેર યુવાનનું અંગદાન કરી ચીધારી પરિવારે ચાર વ્યક્તિને નવું જીવન આપ્યી મનુષ્યતાની મહોક પ્રસ્તાવી રસમાજને નાની ડિશા બતાતી છે.

સુરતના નવી દિવિલ હોસ્પિટલમાંથી અંગદાન મળ્યાની એ પ્રથમ ઘટના ૩. મુતક યુવાનનું હદ્દ્ય રેઠ ક્રિ.મૌનુ અંતર ૮૦ મીનીટમાં કાપોણે અમદાવાદની હાથ હોસ્પિટલમાં ડ્ર.નસાર અને ટ્રાન્સપલાન્ટ કરાયું છે.

આ નવીની પણી વિશે અનુસરે માંગરોળ તલુકના લખેટ જાગના વ્યવસાયે રણ કવાડાર ૩૦ વર્ષિય વાયનીત ભાજુલાઈ વીધીના કુટુંબમાં પટ્ટી દ્વારા (ગ. વ. ૩૭) અને પુત્ર ગીરંગ (ગ. વ. ૫૪) લખેટ પ્રાથમિક શાખામાં હો. ૮માં અને પુત્રી આસ્યુશી (ગ. વ. ૧૧) હો. ૯માં અન્યાસ કરે છે. પિતા ભાસુલાઈ ચનીલાલ ચીધરી (ગ. વ. ૫૦) મેતી કરે છે.

જ્યા. ૨૫મીએ. નવાનીલાઈ સાંજે પા.૩૦ થા. ૬:૦૦ કવાડ દરરોગાન વાડલાથી લખેટ પોતાના વરે પરત કરી રહ્યા હતા, ત્યારે વાંકડ રેલ્યે ઝાટકની

પાસે ભાઈક રહીય થઈ જતા માથામાં ગોંધીર ઠાક દવાશી બેલાન થઈ ગયું હતા, ૧૦૮ દારો તેમને જેનવાવ ફેફલ હોસ્પિટલમાં લઈ જીવાયા હતા જ્યાંની તેમને પા. પી. સંવાદી હાઈ ટુન્કીલ્પુટ એન્ડ માર્કી સ્પેસ્યુલીટી હોસ્પિટલમાં હો. પી. સાર્વાના સારવાર લેણા દાખલ કરવામાં આવ્યા.

જેશાબાઈ વસાનાને નોરીન હોનેશનનું મહત્વ સમજાવતા પરેવારજનોને અંગદાનની સંમતી આપી હતી. દાનમાં મેળવવામાં આવેલા એડ ક્રિની. અમદાવાદના હોલક રાફ (ગ. વ. ૧૪) અને બાંધ ડિડના સુરતના પૂરીત જીવાન (ગ. વ. ૩૧)માં ટ્રાન્સપલાન્ટ કરવામાં આવી છે. રૂપારે ડીપર મોર્ટોના રહેલાસી વાલાલાઈ દેવાનાઈ રાફ (ગ. વ. ૪૮)માં ટ્રાન્સપલાન્ટ કરવામાં આવ્યું છે, રૂપારે તેમનું હદ્દ્ય સુરત નવી દિવિલ હોસ્પિટલથી અગનાવાદની CIMS હોસ્પિટલ સુધીનું ૨૭૭ ક્રિ.મૌનુ અંતર ૮૦ મીનીટમાં કાપોણે

ટ્રાન્સપલાન્ટમાં સારવાર વહી રહેલા સુરતના કલેશ જ્યાસુલાઈ ડિગ્રીડિગ્રી (ગ. વ. ૨૩)માં સંકળતાપૂર્વક ટ્રાન્સપલાન્ટ કરાયું છુટું.

સુરત અને દવિજા યુજરાતમાંથી અત્યાર જીબી બેનડેર વ્યક્તિઓને પરિવારજનો. સાથે સમજાળ કેળવી. નિષેષ વર્મા અને હો. નિષેષ લાલીયાસે બેનેટ વાઈલના દેસેન્ટ દેસાઈનો ટેલીફોનીક સંપર્ક કરી જાણ કરતા કેનેટ લાઈફની ટીમ હોસ્પિટલ પછોચી નવ.પીપાલાઈ.પ પિતા ભાજુલાઈ, બહેન દીયાબેન, હોઈ વનિતાબેન, ડિડાબા પંચાયતના માણ મધ્યુલ હર્પદાના ચીધરી, ચારપણ મનીજ



# સુરતના આદિવાસી યુવાનનું હદય સુરતના જ યુવાનમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

## ગ્રીન કોરિડોર કરી હદય અમદાવાદની સિમ્સ હોસ્પિટલમાં લવાયું

ભાણકર બ્યાળ | સુરત

સુરત જિલ્લામાં માંગરોજ તાલુકાના  
લવેટગામમાં ખેતી કરતાં બાબુભાઈ  
ચૌધરીના પુત્ર  
નવનીતભાઈ (૩૦)  
ગત સોમવારે બાઈક  
સહીપ થતા માથામાં  
નવનીતભાઈ ગંભીર હિંજાઓ  
થતાં તેને બ્લેનડેડ જાહેર કરાયો  
હતો. આ અંગે નવનીતભાઈના



પરિવારજનોને ઓર્ગન ડોનેશન વિશે સમજાવ્યા હતા. તેમની સંમતિ બાદ સુરત નવી સિવિલ હોસ્પિટલથી સુરત એરપોર્ટ અને ત્યાંથી એરએભ્યુલન્સમાં અમદાવાદની સિમ્સ હોસ્પિટલ સુધીનું રેઝિફ્રીમિંનું અંતર ૮૦ મિનિટમાં કાપીને દાનમાં મેળવવામાં આવેલા હદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના રહેવાસી ડાયેશ જયસુખભાઈ કાગોડિઆ (૨૩)માં ડૉ. પંચલ નાયક અને તેમની ટીમ

દ્વારા કરવામાં આવ્યું હતું. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી એક કિડની અમદાવાદના રહેવાસી તિલક શાહ (૧૪) અને બીજી કિડની સુરતના પુનીત શાલાન (૩૧) માં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવી હતી. જ્યારે લીવર મોરબીના વાલાભાઈ દેવાભાઈ ચઠોડ (૪૮)માં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવી હતી. આ બન્ને કિડની અને લીવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની આઈકીઓ રસી ખાતે કરાયું હતું.

માંગરોળના બ્રેઇનડેડ નવનીત ચૌધરીનાં  
અંગદાનથી ચાર દુર્ભીઓને નવજીવન મળ્યું

सुरत, १०.२ आठ बोडीज अटेक इकाया हो। यांडे खन भारद्वाज ने उन्हें पुनः  
नियमित गालीपान करवे गये थे। इन्हें नवी लिंगिल के लियेखनों हड्डियों अभियान आये। यांडे खन्हें



મોટરસાયકલ સ્વીપ થતાં ગંગીર ઈજાઓના પગલે પ્રાઈન્ડેઝને નેત્ર લાઈફ સંસ્થાની મદ્દ વડે હશ્ય. અને કિરુની અને ધીવરના દાન આટે પરિજીનો સંમત થતાં ધર્યવાણી

२३. इसमें दोनों वार्तियों एवं भावदों के लिए पुनर्जीवित होने वाले अमरप्रवाह अत्र वाहिकारी नामांगण अन्त में उत्तराधिकारी वर्तमान वाहिकारी नामांगण के लिए दोनों वार्ताएँ दर्शायें दूसरी।

करना निषेद्ध  
मात्र से वापर करने  
परिवार के नोने  
अवगति नहीं  
जायदृ जल  
परिवार कुनार  
अकृत यथा  
कर्त्तव्य लिखन  
मात्र आज्ञा नहीं  
यह ताकि इसी भूमि में प्राप्त नहीं हो  
ज्ञानात्म योग्यों द्वारा उपर्युक्त  
प्रश्नाओं के उत्तर देखना चाहिए  
विषयाल विषय के बारे जान रखे  
निषेद्ध संक्षर वापर करने का  
तभी साधारण जीवन है। पर्यावरी  
की विभिन्न ग्रन्थों द्वारा विषयों  
का विस्तृत विवरण दिया गया है।

2000-0000000000

માંગરોળના બ્રેન્ડેડ આદિવાસી યુવકના હૃદય,  
કીડની, લીધર સહિતના અંગોનું દાન કરાયાં

આદિપાણી યુવકનું  
હૃદય અને  
કીડનીએં સુરતના  
યુવકના શરીરમાં  
ટ્રાન્સલાન્ડ કરાયું

정우선, 대

मुझे निकलना चाहती है क्योंकि वह जाना नीचेवा उन्नीसवाँ अधिकारी पुरुषों की वाईट वाली रेस्टोरेंट का १०८ प्रति सौप्रति वाला एक बड़ा लाइन-अप होता है। ऐसी तोड़ता-पड़ता वाली वाहनों की तरफ, उसने मैंने विवरण दिया तबक्का लिया था। और उसे भी दिया गया था। अब उसके दूसरी छुटकारा तक आना-नहीं आना चाहिए। असहायता-विवरणों का साफ़ करना चाहिए।

"जयानीमें रक्तदान दिग्गंबरों के मृत्युलाभ(ब्रैंडनडेड) किंडनी, लिवर और हृदयदान . . ."